प्राक्कथन

भारत बाढ़ के लिए उच्च अतिसंवेदनशील है। 329 मिलियन हैक्टेयर के कुल भौगोलिक क्षेत्र में से लगभग 45.64 मिलियन बाढ़ संभावित है। बाढ़ एक आवर्ती घटना है जो जीवन के साथ-साथ, आजीविका प्रणालियों, सम्पत्तियों, अवसंरचना तथा जनोंपयोगी वस्तुओं को क्षति पहुंचाती हैं। XI पंचवर्षीय योजना (2007-2012) के बाढ़ नियंत्रण प्रबंधन कार्यक्रम (दिसम्बर 2006) के कार्य समूह की रिपोर्ट के अनुसार औसतन प्रति वर्ष 7.55 मिलियन हेक्टेयर भूमि प्रभावित होती है, 1560 जीवन समाप्त हो जाते हैं और बाढ़ के कारण फसलों, मकानों तथा जनोपयोगी वस्तुओं को लगभग ₹ 1805 करोड अनुमानित क्षति होती है।

"बाढ़ नियंत्रण तथा बाढ़ पूर्वानुमान की योजनाओं" की निष्पादन लेखापरीक्षा जांच की कि क्या बाढ़ नियंत्रण तथा बाढ़ पूर्वानुमान की योजनाएं कुशल तथा प्रभावी थीं और क्या समीक्षा तथा निरीक्षण तन्त्र प्रभावी थे।

निष्पादन लेखापरीक्षा ने दर्शाया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के अनुमोदन में बहुत विलम्ब हुए थे जिसके कारण वास्तविक वित्तपोषण के समय पर तकनीकी डिजाइन असंगत हो गईं। बाढ़ प्रबन्धन कार्य, सम्पूर्ण नदी/सहायक नदी अथवा नदियों/सहायक नदियों के प्रमुख खण्ड़ों को लेकर कर एकीकृत रीति से आरम्भ नहीं किए गए थे। बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम के अन्तर्गत परियोजनाओं के समापन में विलम्ब हुए थे। XI वीं योजना के दौरान प्रतिष्ठापित अधिकांश टेलीमेट्री स्टेशन निष्क्रिय थे अतः अधिकांश अवधि का वास्तविक काल डाटा उपलब्ध नहीं था। नदी प्रबंधन कार्यकलापों तथा सीमा क्षेत्रों से सम्बन्धित कार्यों के अन्तर्गत सभी परियोजनाओं के समापन में भी विलम्ब हुए थे। केवल कुछ बडे बांधों के लिए ही आपातकालीन कार्ययोजनाएं तैयार की गई थीं। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की प्रमुख सिफारिशों जैसे बाढ़ सम्भावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक निर्धारण तथा फ्लड प्लेन जोनिंग एक्ट का अधिनियमन कार्यान्नवत नहीं किए गए थे। योजना मार्गनिर्देशों के अनुसार निष्पादन तथा समवर्ती मूल्यांकन नहीं किये गये थे।

हम आशा करते है कि संसद के पटल पर रखे जाने के लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 151 के अन्तर्गत भारत के राष्ट्रपति के प्रस्तुतीकरण हेतु तैयार प्रतिवेदन बाढ़ प्रबन्ध कार्यक्रम, बाढ़ पूर्वानुमान के अन्तर्गत परियोजनाओं, नदी प्रबन्धन कार्यकलापों तथा सीमा क्षेत्रों से सम्बन्धित कार्यों के अन्तर्ग परियोजनाओं के उचित कार्यान्वयन और बांधों के लिए आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करने के लिए योजना बनाने में सहायता करेगा।